CASE STUDY- 04

राकेश जिला स्तर का एक ज़िम्मेदार अधिकारी है, जिस पर उसके उच्च अधिकारी भरोसा करते हैं। उसकी ईमानदारी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक स्वास्थ्य देखभाल योजना के लाभार्थियों की पहचान करने का दायित्व सौंपा है।

लाभार्थी होने के लिए निम्नलिखित कसौटियाँ हैं :

(अ) 60 वर्ष की या उससे अधिक आयु हो।

(ब) किसी आरक्षित समुदाय से संबंधित हो।

(स) परिवार की वार्षिक आय ₹1 लाख से कम हो।

(द) इलाज के बाद लाभार्थी के जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक अंतर होने की प्रबल सम्भावना हो।

एक दिन एक वृद्ध दंपति राकेश के कार्यालय में योजना के लाभ के लिए आवेदन-पत्र ले कर आया। वे उसके जिले के एक गाँव में जन्म से रहते आए हैं। वृद्ध व्यक्ति की बड़ी आँत में एक ऐसे विरले विकार का पता लगा जिससे उसमें रुकावट पैदा होती है। परिणामस्वरूप, उसके पेट में बार-बार तीव्र पीड़ा होती है जिससे वह कोई शारीरिक श्रम नहीं कर सकता है। वृद्ध दंपति की देखरेख करने के लिए कोई संतान नहीं है। एक विशेषज्ञ शल्य चिकित्सक, जिससे वे मिले हैं, बिना फीस के उनकी शल्य चिकित्सा करने को तैयार है। फिर भी, उस वृद्ध दंपति को आकस्मिक व्यय, जैसे दवाइयाँ, अस्पताल का खर्च, आदि जो लगभग ₹1 लाख होगा, स्वयं ही वहन करना पड़ेगा। दंपति मानक 'ब' के अलावा योजना का लाभ प्राप्त करने की सारी कसौटियाँ पूरी करता है। फिर भी, किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता निश्चित तौर पर उनके जीवन की गुणवत्ता में काफी अंतर पैदा करेगी। राकेश को इस परिस्थिति में क्या अनुक्रिया करनी चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए, IAS-2018, 20 अंक)

Rakesh is a responsible district level officer, who enjoys the trust of his higher officials. Knowing his honesty, the government entrusted him with the responsibility of identifying the beneficiaries under a health care scheme meant for senior citizens.

The criteria to be a beneficiary are the following:

(a) 60 years of age or above.

(b) Belonging to a reserved community.

(c) Family income of less than ₹ 1 Lakh rupees per annum.

(d) Post-treatment prognosis is likely to be high to make a positive difference to the quality of life of the beneficiary.

One day, an old couple visited Rakesh's office with their application. They have been the residents of a village in his district since their birth. The old man is diagnosed with a rare condition that causes obstruction in the large intestine. As a consequence, he has severe abdominal pain frequently that prevents him from doing any physical labour. The couple has no children to support them. The expert surgeon whom they contacted is willing to do the surgery without charging any fee. However, the couple will have to bear the cost of incidental charges, such as medicines, hospitalization, etc., to the tune of rupees one lakh. The couple fulfills all the criteria except criterion 'b'. However, any financial

KGS : 5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309
Ph. No. : 8757354880

aid would certainly make a significant difference in their quality of life.

How should Rakesh respond to the situation? **(Answer in 250 words, IAS 2018, 20 Marks)**

उत्तर :

उपर्युक्त मामले का संबंध निम्नलिखित मूल्यों से है।

1. समाज के कमजोर वर्गों के प्रति समानुभूति, सहिष्णुता एवं करुणा
2. लोकसेवा के प्रति समर्पण भाव
3. लोक सेवकों में संवेदनशीलता एवं अनुक्रियाशीलता

एक जिम्मेदार एवं भरोसेमंद अधिकारी होने के नाते राकेश को उस वृद्ध दंपत्ति की पीड़ा को ध्यानपूर्वक सुनकर उन्हें सांत्वना देनी चाहिए तथा मदद का भरोसा देना चाहिए।

राकेश को इस मामले के समाधान हेतु निम्नलिखित अनुक्रिया करनी चाहिए–

i. राकेश व्यक्तिगत तौर पर सक्रिय होकर स्वयंसेवी संगठनों, NGOs एवं समाज में सक्रिय समाजसेवकों के सहयोग से उस नि:संतान, वृद्ध, बीमार दंपत्ति के आकस्मिक व्यय के लिए राशि की व्यवस्था कर सकते हैं।

ii. चूंकि वृद्ध दंपत्ति लाभार्थी होने की तीन कसौटियाँ 'अ', 'स', 'द' को पूरा करता है, अत: उसे इस योजना का लाभ दिया जा सकता है। एक अधिकारी को सामान्यत: नियम और कानून के अनुसार कार्य करना चाहिए परन्तु इसका आशय यह नहीं कि वह यंत्रवत् व्यवहार करे। उसे हृदयस्पर्शी एवं संवदेनशील भी होना चाहिए। यदि प्रगतिशील मानवीय मूल्यों की रक्षा हेतु अपवादात्मक स्थितियों में नियम का उल्लंघन भी करना पड़े तो नैतिक दृष्टिकोण से उसे उचित माना जाएगा। यहाँ नियम का उल्लंघन स्वार्थहित में नहीं बल्कि बीमार वृद्ध दंपत्ति के कल्याण एवं उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु किया जा रहा है, जिनका कोई देखरेख करने वाला नहीं है।

iii. वृद्ध एवं बीमार लोगों के देखभाल के लिए कई सरकारी योजनाएँ हैं जैसे- आयुष्मान भारत योजना, वृद्ध व्यक्तियों के लिए एकीकृत योजना (IPOP) इन योजनाओं की जानकारी एवं इनके लाभ भी उस वृद्ध दंपत्ति को देने का प्रयास होना चाहिए।

राकेश की इस परिस्थिति में की गयी परानुभूति एवं संवेदनशीलता से युक्त अनुक्रिया, गांधी के अंत्योदय, विवेकानंद के दरिद्र नारायण एवं संविधान में वर्णित बंधुत्व की भावना को साकारित करेगा।

KGS : *5th Floor, A13A, Graphix 1 Tower B, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh-201309*
Ph. No. : 8757354880